Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय – 01 | सूरदास

QUIZ-04

1. **गोपियों की दृष्टि में पहले के लोगों का आचरण कैसा था?**
   A. परोपकारी तथा परहित हेतु जीते थे
   B. धूर्त तथा लोगों को ठगाते थे
   C. प्रेमभाव तथा प्यार से समझाते थे
   D. चातुर्य तथा अनीति से सबको बचाते थे (A)

व्याख्या: पद में कहा गया है कि पहले के लोग परोपकारी थे और दूसरों की भलाई करते थे।

2. **गोपियों के अनुसार 'राजधर्म' क्या है?**
   A. प्रजा को न सताना
   B. प्रजा का हित करना
   C. प्रजा को प्रेम से समझाना
   D. ये सभी (D)

व्याख्या: राजधर्म का सार यही बताया गया है कि प्रजा को न सताया जाए, उसका हित किया जाए और प्रेम से समझाया जाए।

3. **गोपियाँ श्रीकृष्ण द्वारा योग-संदेश भेजे जाने को किस रूप में प्रस्तुत करती हैं?**
   A. श्रीकृष्ण पहले ही चतुर थे
   B. श्रीकृष्ण ने योग-संदेश भेजा
   C. मन में फेर हो गया है, अनीति किए हैं
   D. ये सभी (D)

व्याख्या: गोपियाँ योग-संदेश को कृष्ण की राजनीति बताते हुए इन सभी बिंदुओं का उल्लेख करती हैं।

4. **'मधुकर' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?**
   A. उद्धव
   B. श्रीकृष्ण
   C. गोपियाँ
   D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या: यहाँ 'मधुकर' शब्द उद्धव के लिए प्रयुक्त हुआ है।

5. **इस पद में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?**
   A. अवधी
   B. ब्रजभाषा
   C. मैथिली
   D. भोजपुरी (B)

व्याख्या: सूरदास की रचनाओं की भाषा ब्रजभाषा है, और इस पद में भी वही प्रयुक्त हुई है।

6. **"राजधर्म तौ यहै सूर, जो प्रजा न जातहि सताए" से क्या संदेश मिलता है?**
   A. राजा को अपनी प्रजा पर कठोर होना चाहिए
   B. राजा को केवल कर लेना चाहिए
   C. राजा का धर्म है प्रजा की रक्षा करना
   D. राजा को धर्म से दूर रहना चाहिए (C)

व्याख्या: यहाँ स्पष्ट संदेश है कि सच्चा राजधर्म प्रजा की रक्षा और सेवा करना है।

7. **गोपियों के अनुसार श्रीकृष्ण ने योग-संदेश क्यों भेजा?**
   A. वे उद्धव को परखना चाहते थे
   B. वे अपनी राजनीति दिखा रहे थे
   C. वे गोपियों की परीक्षा लेना चाहते थे
   D. वे योग का महत्व बताना चाहते थे (B)

व्याख्या: गोपियों ने कृष्ण द्वारा भेजे गए योग-संदेश को उनकी राजनीति बताया है।

8. **"भले लोग आगे के परहितहि डोलि धाए" का क्या आशय है?**
   A. पहले लोग अपने सुख में रहते थे
   B. पहले लोग केवल ज्ञान बाँटते थे
   C. पहले लोग परोपकार के लिए तत्पर रहते थे
   D. पहले लोग दूसरों को सताते थे (C)

व्याख्या: इसका अर्थ है कि पहले लोग निस्वार्थ भाव से परोपकार में लगे रहते थे।

9. **गोपियाँ श्रीकृष्ण पर किस आरोप का संकेत देती हैं?**
   A. वे नीति से शासन कर रहे हैं
   B. वे अनीति कर रहे हैं
   C. वे गोकुल छोड़कर द्वारका चले गए
   D. वे उद्धव को महत्व दे रहे हैं (B)

व्याख्या: पद में संकेत है कि कृष्ण स्वयं अनीति कर रहे हैं, जबकि वे दूसरों को उससे छुड़ाने का दावा करते हैं।

10. **इस पद से हमें कौन-सा जीवन-संदेश प्राप्त होता है?**
    A. राजनीति केवल सत्ता पाने का साधन है
    B. सच्चा राजधर्म प्रजा की सेवा और परहित है
    C. योग ही जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है
    D. परोपकार करने से हानि होती है (B)

व्याख्या: यह पद सिखाता है कि सच्चा धर्म और कर्तव्य प्रजा के प्रति निस्वार्थ सेवा और परहित करना है।

मिशन ज्ञान जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहे!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App